रविवार
21 जुलाई 2024

पृष्ठ 3
मुहासों से छुटकारा पाने के लिए...

पृष्ठ 7
अग्निवीरों के समायोजन को...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 166
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर हैं।

– रवींद्र

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन की चपेट में आए 3 यात्रियों की मौत

●8 लोग घायल, रेस्क्यू कर भेजा अस्पताल
●गंगोत्री व बद्रीनाथ मार्ग भी भूस्खलन से बंद
●48 घंटे प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसूनी आपदा का कहर जारी है। राज्य में हो रही भारी बारिश से पहाड़ दरक रहे हैं। भूस्खलन और नदियों के ऊफान से हो रहे भू कटाओ से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं तथा आवासीय क्षेत्रों में जल भराव से घरों में भी पानी घुस रहा है। आज सुबह केदारनाथ पैदल मार्ग पर पहाड़ से मलवा और बोल्डर आने से उसकी चपेट में आए यात्रियों में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौसम विभाग व शासन-प्रशासन की चेतावनी के बावजूद भी धामों में यात्रियों के पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। आज सुबह केदारनाथ घाटी में बारिश के बीच गौरीकुंड से केदारनाथ पैदल जा रहे यात्रियों पर अचानक पहाड़ से मलवा वह बोल्डर आ गये। यह दुर्घटना गौरीकुंड से लगभग 3 किलोमीटर आगे चीरवासा में हुई जिसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि आठ लोग घायल हो गए। जिन्हें एनडीआरफ, एसडीआरएफ व पुलिस के जवानों ने रेस्क्यूं कर बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया है। मलवा आने से मार्ग पर आवाजाही ही बंद हो गई है।

उत्तरकाशी से प्राप्त समाचार के अनुसार गंगोत्री हाईवे पर किशनपुर के पास पहाड़ से भारी भूस्खलन होने के कारण मार्ग बंद हो गया है। जिसे खोलने का बीआरओ द्वारा प्रयास किया जा रहा है। उधर चमोली से प्राप्त समाचार के अनुसार बदरीनाथ हाईवे पर पागल नाला और गुलाब कोटी के पास आज पहाड़ से मलवा आने से आवाजाही ठप हो गई है। उधर प्राणमति नाले ने भी थराली क्षेत्र में भारी तबाही मचा रखी है।

खास बात यह है की मौसम विभाग द्वारा आगामी 48 घंटे में राज्य में भारी से भी भारी बारिश होने की रेड अलर्ट जारी किया गया है। जानकारी के अनुसार

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

टैक्सी चालक की हत्या करके सवारी हुई फरार, जंगल में मिला शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ऑनलाइन टैक्सी बुक होने के बाद सवारी लेकर दिल्ली से हरिद्वार आए चालक का शव मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के थीथौला गांव के जंगल में पड़ा मिला। माना जा रहा है कि टैक्सी बुक कराने वाले ही हत्याारोपी है जो चालक की हत्या करके फरार हो गए हैं। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय चंद्रपाल पुत्र राम नरेश निवासी ग्राम कदोरा हरदोई ने अपनी स्विफ्ट डिजायर कार दिल्ली उबेर कंपनी में लगाई हुई है। बीती शाम किसी के द्वारा कार की ऑनलाइन बुकिंग दिल्ली से हरिद्वार के लिए करायी गई थी। वह सवारी लेकर दिल्ली से हरिद्वार के लिए निकला लेकिन आज सुबह मंगलौर पुलिस को किसी ने सूचना दी कि एक युवक का लहुलुहान शव थीथौला

गांव के जंगल में पड़ा हुआ है। पुलिस मौके पर पहुंची तो शव के पास से एक मोबाइल और रस्सी बरामद हुई। मिले कागजात के आधार पर शिनाख्त की गई और परिजनों को सूचना देने के साथ शव पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया। माना जा रहा है आरोपी वारदात को अंजाम देने के साथ ही कार को लेकर फरार हुए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कोतवाली प्रभारी अमरचंद शर्मा ने बताया कि मृतक के परिजनों की ओर से तहरीर आने पर करवाई अमल में लाई जाएगी।

हर किसी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिएः बाबा रामदेव

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव ने रविवार को कांवर यात्रा के मार्ग पर भोजनालयों के बाहर मालिक का नाम प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश का समर्थन करते हुए बाबा रामदेव ने कहा कि किसी को भी अपनी पहचान उजागर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिए। योग गुरु ने पूछा कि अगर रामदेव को अपनी पहचान उजागर करने में कोई दिक्कत नहीं है तो रहमान को दिक्कत क्यों होनी चाहिए। आदेश का समर्थन करते हुए रामदेव ने कहा कि अगर कोई शुद्ध है तो धर्म कोई मायने नहीं रखता। योग गुरु रामदेव ने कहा, अगर रामदेव को अपनी पहचान बताने में कोई दिक्कत नहीं है तो रहमान को अपनी पहचान बताने में दिक्कत क्यों होनी चाहिए? हर किसी को अपने नाम पर गर्व होना चाहिए। नाम छुपाने की जरूरत नहीं है, सिर्फ काम में पवित्रता चाहिए। अगर हमारा काम शुद्ध है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम हिंदू हैं, मुस्लिम हैं या किसी अन्य समुदाय से हैं।

गुरु पूर्णिमा पर गंगा स्नान के लिए उमड़ा आस्था का सैलाब

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गुरु पूर्णिमा के वेदों की रचना करने वाले वेद व्यास का जन्मदिन भी मनाया जाता है। वेद व्यास के पास ज्ञान का भंडार था, उन्हीं की स्मृति में गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। मान्यता है कि आज के दिन गंगा स्नान कर अपने गुरुओं की पूजा करनी चाहिए और उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। यही वजह है कि गुरु पूर्णिमा पर आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान करने के लिए हरिद्वार पहुंचे हैं। जहां वह हरकी पैड़ी समेत तमाम घाटों पर पहुंचकर गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य के भागी बन रहे हैं।

हरिद्वार में गुरु पूर्णिमा के मौके पर आज श्रद्धालु गंगा स्नान कर रहे हैं तो

वहीं काफी संख्या में कांवड़िए भी जल भरने पहुंचे हुए हैं। ऐसे में हरिद्वार का एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है। ज्योतिषाचार्यो का कहना है कि आषाढ़ मास की पूर्णमासी को गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। जिसे महर्षि वेद व्यास के जन्मदिन के उपलक्ष्य में ही मनाया जाता है। बताया कि गुरु का अर्थ अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला व्यक्ति होता है आज के दिन जो व्यक्ति तीर्थ स्थान पर स्नान आदि कर अपने गुरु या उनकी पादुकाओं की पूजा करता है साथ ही अपने गुरु को अपने से सामर्थ्य के हिसाब भेंट देता है, उसे आज के दिन गुरु का आशीर्वाद मिलता है, जिससे उसकी जीवन में तरक्की होती है।

आज के दिन का विशेष महत्व इसलिए भी हो जाता है. क्योंकि, आषाढ़ी पूर्णिमा के दिन जो व्यक्ति गंगा स्नान कर लेता है उसके जीवन में आने वाले किसी भी प्रकार के रोग या शोक गुरु के आशीर्वाद से शांत हो जाते हैं। यही वजह है कि गुरु पूर्णिमा पर हरिद्वार के घाट लोगों से पटे नजर आ रहे हैं।

सोनीपत से कांवड़ियों के भेष में आए चार उपद्रवी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। कांवड़ियों के भेष में उत्तराखण्ड आये चार उपद्रवियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों द्वारा पार्किंग में काम करने वालों पर जानलेवा हमला किया गया था।

जानकारी के अनुसार बीते रोज राहुल गुप्ता पुत्र सतीश कुमार गुप्ता निवासी निकट एसएसबी कैंप कैलाश गेट, थाना मुनि की रेती जनपद टिहरी गढ़वाल द्वारा थाना मुनि की रेती पर तहरीर देकर बताया गया था कि उसके साथ जानकी पुल पार्किंग में काम करने वाले बालम सिंह बिष्ट पुत्र कुंवर सिंह बिष्ट निवासी मित्र विहार, ढाल वाला थाना मुनि की रेती, अजय पुत्र हरिओम निवासी कैलाश गेट थाना मुनि की रेती तथा सुभाष पुत्र पृथ्वी ढोंडियाल निवासी कैलाश गेट, थाना मुनि की रेती के साथ ट्रैक्टर का पार्किंग शुल्क लेने को लेकर ट्रैक्टर ट्राली में सवार लोगों द्वारा उनके साथ गाली गलौज व मारपीट की गई तथा उनके साथ काम करने वाले बालम सिंह बिष्ट के साथ धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया गया जिससे उनके सर पर गंभीर चोट आई है। उनका इलाज एम्स अस्पताल में चल रहा है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि हमला करने वालों के नाम महंत सौरभ गिरी नागा बाबा पुत्र स्वर्गीय अष्ट कौशल महंत आजाद गिरी निवासी गढ़ी ब्राह्मण थाना सदर जिला सोनीपत हरियाणा (उम्र 40 वर्ष), दिव्य उर्फ दीपू पुत्र ओमप्रकाश, रजत पुत्र विनोद कुमार व अरुण पुत्र संदीप है। प्रकाश में आए व्यक्ति कावड़ लेने/जल लेने हरिद्वार आए थे तथा नीलकंठ मंदिर दर्शन से आने के उपरांत जानकी पुल पार्किंग में पार्किंग शुल्क को लेकर पार्किंग वालों के साथ मारपीट कर उन पर जानलेवा हमला किया गया। जिनको पुलिस ने को माचिस फैक्ट्री के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार तलवार भी बरामद की गई। तथा घटना में प्रयुक्त वाहन को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

24 जुलाई से होगी केदारनाथ प्रतिष्ठा रक्षा यात्राःधस्माना

संवाददाता

कोटद्वार। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि आगामी 24 जुलाई से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा के नेतृत्व में कांग्रेस श्री केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा का आयोजन कर रही है।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत ध स्माना ने कोटद्वार में बद्रीनाथ रोड स्थित एक होटल में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि भारतीय जनता पार्टी के समर्थकों व सरकार में बैठे लोगों की हरकतों की वजह से देश के सबसे पुराने बारह में से एक ज्योतिर्लिंग भगवान केदारेश्वर जो कि देश और दुनिया में उत्तराखंड के चार धामों में से एक श्री केदारनाथ ध ाम के नाम से प्रसिद्ध है उसकी प्रतिष्ठा पर चोट लगी है और उसकी प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए आगामी 24 जुलाई से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा के नेतृत्व में कांग्रेस श्री केदारनाथ धाम प्रतिष्ठा रक्षा यात्रा का आयोजन कर रही है जो 14-15 दिन तक हरिद्वार से शुरू हो कर ऋषिकेश, देवप्रयाग, श्रीनगर, रुद्रप्रयाग होते हुए श्री केदारनाथ धाम पहुंचेगी जहां केदार बाबा के चरणों में पूजा अर्चना के साथ संपन्न होगी।

उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से हम प्रदेश सरकार से उन सवालों का जवाब मांगेंगे जो ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद गिरी पूछ रहे हैं कि केदारनाथ धाम मंदिर में चोरी हुए दो सौ तीस किलो सोने की जांच क्यों नहीं करवाई गई, सोना चढ़ाने वाले को कितने किलो सोने के दान की रसीद मंदिर समिति ने दी, पहले चढ़ी हुई चांदी कहां गई, दिल्ली में केदारनाथ धाम मंदिर ट्रस्ट के नाम से नए मंदिर की स्थापना में केदारनाथ जी से शिला क्यों ले जाई गई, केदार धाम में कृष्णा माई गुफा का नाम क्यों बदला गया। धस्माना ने कहा कि भाजपा सरकार व भाजपा समर्थकों की इन हरकतों की वजह से आज पूरे देश और पूरे विश्व में सनातन धर्मावलंबियों की भावनाएं आहत हैं और अयोध्या मंडल में, प्रयागराज में, चित्रकूट नासिक व रामेश्वरम में लोकसभा चुनावों में हार से व अब बद्रीनाथ और हरिद्वार की हार से भी भाजपा सबक नहीं ले रही और अब केदारनाथ धाम पर की गई ओछी राजनीति का दंड उनको केदारनाथ उप चुनाव में भुगतना पड़ेगा।

उन्होने कहा कि जब राज्य विधानसभा की अध्यक्ष के क्षेत्र में यह हाल है तो पूरे प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की कल्पना कर सकते हैं। पत्रकार वार्ता में किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री गुड्डू चौहान उपस्थित रहे।

महात्मागांधी और आधुनिक संस्कृत साहित्य

डा. संजय कुमार

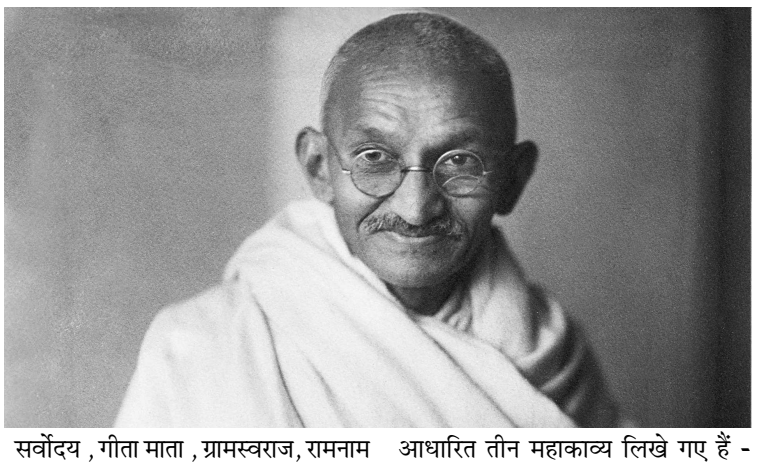

भारत महापुरुषों का देश है। यहाँ पर मानव क्या ईश्वर भी अवतरित हुए हैं ,राम और कृष्ण को हमारी परम्परा में ईश्वर माना जाता है।इसी तरह चाणक्य ,चन्द्रगुप्त , महाराणा प्रताप ,गुरुगोविन्द सिंह , महात्मा गांधी, सुभाषचन्द्र बोस सरदार बल्लभभाई पटेल बालगंगाधर तिलक आदि लोकनायक महापुरुष भी अवतरित हुए हैं जिनके पराक्रम ,पौरुष .त्याग और समर्पण से राष्ट्र का मस्तक सदैव गौरवान्वित होता रहता है।ऐसे ही महापुरुष महात्मा गांधी भी हैं , जिन्हें राष्ट्रीय प्रतीक पुरुष के रूप में जाना जाता है।

महात्मा गांधी का मूल नाम मोहनदासकर्मचंद गांधी था। जिनका जन्म ०2 अक्तूबर 1869 ई.में गुजरात के पोरबंदर नामक स्थान में हुआ था।महात्मा गांधी के पिता का नाम कर्मचंद गांधी तथा माता का नाम श्रीमति पुतली बाई था। गांधीजी बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि सम्पन्न और अधिकार के प्रति सदा सचेत रहने वाले महामानव थे।भारतीय समाज एवं संस्कृति की गंभीर समझ उन्हें युवावस्था में प्राप्त हो गयी थी।उन्हें राष्ट्र और राष्ट्रीय समस्याओं की बहुत चिंता थी।जिसके समाधान के लिए वे सर्व प्रथम अध्ययन किये ,उनका मानना था कि अध्ययन ही सभी समस्याओं के निराकण का साधन है।इसलिए महात्मा गांधी आजीवन सबके लिए शिक्षा को अनिवार्य मानते थे। वे कहते थे कि शिक्षा सबको सर्व सुलभ होनी चाहिए। यद्यपि महात्मा गांधी का विवाह कस्तूरबा बाई मनक से 1883 ई.में ही हो गया था लेकिन मन में बैठे राष्ट्रीयप्रेम की भवना , स्वतंत्रता की भावना और उच्च अध्ययन की अभिलाषा की पूर्ति में कोई व्यवधान कभी नहीं आया बल्कि वे भी अहर्निश महात्मा गांधी की सहगामी होकर एक साथ कदम मिलकर चलने वाली महिला थी। महात्मा गांधी भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के एक प्रमुख राजनेता एवं सुधारवादी चिन्तक के साथ - साथ वैश्विक समस्याओं के समाधान के प्रति प्रयत्नशील रहने वाले व्यक्ति थे। दक्षिण अफ्रीका इस बात का प्रमाण है। महात्मा गांधी के मन में भारत की दुर्दशा,बेरोजगारी ,स्वास्थ्य ,पर्यावरण और संस्कृति के उन्नयन की बेजोड़ कमाना थी। उन्होंने सविनय ,सत्याग्रह ,भारत छोडो आन्दोलनों द्वारा देश में ऐसी राष्ट्रीय भावना को जागृत किया जिससे भारत को स्वतंत्रता मिली।उनका मानना था प्रत्येक व्यक्ति या राष्ट्र की स्वतंत्रता उसका अधिकार है।किसी के लिए भी दासता या परतंत्रता अभिशाप है।महात्मा गांधी के कार्य ,सहस और धैर्य के कारण उन्हें कालिदास ,महात्मा ,बापू (पिता),राष्ट्रपिता आदि नामों से उन्हें संबोधित किया जाता है। उनके जन्म दिवस 2 अक्तूबर को गांधी जयंती और अंतराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

महात्मा गांधी को एक राजनीतिज्ञ,अधिवक्ता ,पत्रकार ,दार्शनिक ,निबंधकार ,संस्मरण लेखक तथा क्रन्तिकारी लेखक के रूप में याद किया जाता है।उन्होंने अनेक पुस्तकों का प्रणयन भी किया है। जिनमें से कुछ प्रमुख है - सत्य के प्रयोग ,हिन्दस्वराज , दक्षिण अफ्रीका के सत्याग्रह का इतिहास ,गांधी की आत्म कथा ,मेरे स्वप्नों का भारत सर्वोदय , गीता माता , ग्रामस्वराज, रामनाम ,महात्मा गांधी के विचार ,कुदरती उपचार ,आरोग्य की कुंजी ,सच्चाई भगवान है और सांप्रदायिक सद्भावना आदि।महात्मा गांधी के दो अस्त्र बहुत प्रसिद्द हैं - सत्य और अहिंसा ,इन्ही दो वैचारिक अस्त्रों से वे देश को आजादी दिलाये। ऐसे महान विचारक ,स्वतंत्रता सेनानी ,लेखक तथा समाजसुधारक की दुर्भाग्य बस 30 जनवरी 1948 को मृत्यु हो गयी।

महात्मा गांधी के मृत्योपरांत उन पर अनेक भारतीय तथा विदेशी भाषाओँ में और अधिक ग्रन्थ लिखे जाने लगे। उनके मूल्य , जीवन- दर्शन ,आदर्श ,स्वतंत्रता आन्दोलन के कार्य को ,इतिहास आदि के ग्रंथों के साथ साथ साहित्य में भी साहित्यकारों ने गढ़ना प्रारम्भ कर दिया। जिसमे संस्कृत भी बढ़- चढ़कर सहगामी बनी क्योंकि संस्कृत का इतिहास साक्षी है।उसका तो ध्येय ही आदर्श चरित निर्माण है।उसी की पूर्ति में राम , कृष्ण भीष्म ,सीता ,कुंती ,द्रोपदी चन्द्रगुप्त आदि के साथ महात्मा गांधी जैसे महनीय व्यक्तित्व से आधुनिक संस्कृत आलोकित है।आधुनिक संस्कृत कवियों के द्वारा काव्य ,महाकाव्य ,नाटक ,खंड काव्य आदि के रूप महात्मा गांधी का चरित प्रकाशित है।आधुनिक संस्कृत कवि समवाय का एक बड़ा वर्ग या तो गांधी चरित को आदि से अंत तक प्रस्तुत किया है या तो उनके सिद्धांत सत्य ,अहिंसा आदि को सामाजिक धरातल पर उकेरा गया है7 संस्कृत साहित्य में चरित लेखन की परंपरा महर्षि बाल्मिकीय प्रणीत रामायण से ही हो जाती है।उन्होंने आदर्श चरित के रूप में राम चरित को समाज के समक्ष प्रस्तुत किया।इसी रूप में भारतीय समाज को उन्नतिशील बनाने और स्वतंत्रता तथा राष्ट्रीय भावना को जागृत करने के लिए आधुनिक संस्कृत साहित्य राष्ट्र पिता महात्मा गांधी जीवन चरित आधारित साहित्य की सर्जना भी की गयी है। इस तरह यदि महाकाव्यों की बात की जय तो गांधीचरित नाम से अनेक महाकाव्य लिखे गए हैं, जिनमें कुछ प्रमुख हैं- स्वामी भगवदाचार्य का गांधीचरितम , इस महाकाव्य के तीन खंड - भारतपारिजात ,पारिजातापहार, तथा पारिजत्सौराभ हैं।जिनमें महात्मा गांधी के जन्म से लेकर दक्षिण अफ्रीका आदि का वर्णन करते हुए उनके स्वतंत्रता आन्दोलन के कड़े संघर्षों को दिखाया गया है। प्रभुदत्त ब्रह्मचारी का गांधीनांदीश्रद्धाम्, साधुशरणमिश्र का गांधीचरितम् , विद्यानिधि का गांधीचरितम्9 (अप्रकाशित) सुधाकरशुक्ल का गांधीसौगंधिकम् ,त्रिपुरारीशरण पाण्डेय का महत्मायन ,मधुकरशास्त्री का गांधीगाथा , शिवगोविन्द त्रिपाठी का गांधीगौरवम् और प. क्षमाराव के द्वारा महात्मा गांधी जीवन चरित आधारित तीन महाकाव्य लिखे गए हैं - सत्याग्रहगीता, उत्तर सत्याग्रहगीता और स्वराजविजयम्7 ये तीनों महाकाव्य महात्मा गांधी के विराट व्यक्तित्व को प्रकाशित करते हैं। प. क्षमाराव ने सत्याग्रहगीता महाकाव्य के एक स्थल पर महात्मा गांधी के शांति दर्शन के सार को बतलाती हुई लिखि हैं - दुर्बला ननु गण्यन्ते शांतिमार्गावालम्बिनः7 परं सत्याग्रहाद् विद्धि नास्ति तीव्रतरं बलम्771०/25।7 अर्थात् शांति के मार्ग पर चलने वालों को कमजोर समझा जाता है ,परन्तु यह जान लेना चाहिए कि सत्याग्रह से अधिक शक्तिशाली और कोई बल नहीं है।वहीँ आगे महात्मा गांधी के जीवटता , पौरुष, और भगवतस्वरूप को व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा है - निक्षिप्तं विधिना तेजस्तस्मिन गंधौ महात्मनि7 जन्मभूमिं तमोग्रस्तां विद्योतयितुमात्मनः77 न परं भारतं वर्ष विदुरा अपि भूमयः। भासितास्त्यदीपेन ज्वालितेन महात्मा।7 तस्मादधर्मनाशाय प्रशान्तेः स्थापनाय च।गांधीरूपेण भगवानवतीर्णःकिमु स्वयम्।718/15-19।7 अर्थात् महात्मा गांधी में ईश्वर ने एक तेज स्थापित कर दिया है ,जिससे अंधकार से व्याप्त पृथिवी को वे आलोक दे सके। केवल भारतवर्ष ही नहीं दूर - दूर के देश भी महात्मा के सत्यदीप के प्रकाश से आलोकित हैं।अतःऐसा मालूम पड़ता है कि अधर्म के नाश व शांति की स्थापना के लिए स्वयं ईश्वर ही गांधी के रूप में अवतरित तो नहीं हो गये हैं?इसी तरह अनेक बातों को महात्मा गांधी के संदर्भ में यहाँ कहा गया है।गांधी सिद्धांत और व्यवहार को अन्य काव्यों में भी आधुनिक संस्कृत कवियों के द्वारा प्रस्तुत किया गया है।यथा रामजी उपाध्याय अपने द्वासुपर्णा संस्कृत उपन्यास में सुदामा और कौमुदी के माध्यम से गांधी के हिन्दस्वराज को व्याख्यायित किया है।प.प्रेमनारायण आदि ने महात्मा गांधी पर अनेक कविताओं का भी प्रणयन संस्कृत में किया है।मथुरा प्रसाद दीक्षित ने गांधीविजयम और डा.बोम्मकंठी रामलिंग शास्त्री ने सत्याग्रहोदयः नाटक लिखा है7इस तरह आधुनिक संस्कृत सहित महात्मा गांधी के जीवन दर्शन को केवल साथ लेकर चलने वाला साहित्य नहीं है बल्कि उसे आत्मसात करने वाला साहित्य है। आधुनिक संस्कृत साहित्य के कवियों के द्वारा महात्मा गांधी को राष्ट्र उन्नायक ,स्वतंत्रता सेनानी ,सामाजिक चिंतक महामानव के रूप में चित्रित किया गया है जिनका आदर्श और व्यक्तित्व सभी मानव के लिय अनुकरणीय और कठिन समय में प्रेरणा प्रदान करने वाला है।

लेखक सहायक आचार्य-संस्कृत विभाग डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर हैं

गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गुरुजनों के दर्शन कर लिया आशीर्वाद

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आज गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर सभी अपने अपने गुरुजनों के दर्शन कर आशीर्वाद लेने पहुंचे। इसी क्रम में श्री महाकाल सेवा समिति के सदस्य पलटन बाजार स्थित जंगम शिवालय मंदिर पहुंचे। सर्वप्रथम श्री महंत कृष्णागिरी जी ने अपने गुरु स्वर्गीय माया गिरी जी की पूजा अर्चना के बाद भक्तों से मिले। सभी ने महंत श्री कृष्ण गिरी जी के तिलक कर यथासंभव उपहार दक्षिणा देकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। कुछ भक्तों ने गुरु मंत्र प्राप्त किया उसके पश्चात सभी भक्तों को प्रसाद लेकर विदा किया।

श्रीमहाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष ने गुरु पूर्णिमा पर महंत देवेंद्र दास से आशीर्वाद लिया

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। श्रीमहाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा और उनकी टीम ने दरबार साहिब में माथा टेका और अपने गुरु देव श्री महंत देवेंद्र दास को गुरु पूर्णिमा की शुभकामनाएं दी और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया समिति के हेमराज अरोड़ा, बालकिशन शर्मा, संजीव गुप्ता, नितिन अग्रवाल, विनय प्रजापति, राहुल माटा, कृतिका राणा, अनुष्का राणा शामिल रहे।

पैरों से शुरु होता है बुढापा...!

मुझे आज उपरोक्त संदर्भ में एक समझने लायक लेख मिला। मैं तो रोज कम से कम ४५ मिनट लगातार पैदल चलता हूं जो मेरे ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखने में मदद करता है व यही सीनियर सिटीजन्स हेतु सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। इस लेख में पैदल चलने के और भी फायदे बताए हैं। मैं पैरों के नर्व्स और वेंस के लिए स्ट्रेच एक्सरसाइज में अलाली कर लेता था, जो अब से नही करूँगा। क्योंकि पिंडली को कुछ लोग उसमें पाए जाने वाले नर्व्स और वेंस के कारण उसे छोटा दिल जो कहते हैं। शायद ये लेख आपको भी अच्छा लगे।

बुढ़ापा पैरों से शुरू होकर ऊपर की ओर बढ़ता है ! अपने पैरों को सक्रिय और मजबूत रखें !

जैसे-जैसे हम ढलते जाते हैं और रोजाना बूढ़े होते जाते हैं, हमें पैरों को हमेशा सक्रिय और मजबूत बनाए रखना चाहिए।

हम लगातार बूढ़े हो रहे हैं, वृद्ध हो रहे हैं, मगर हमें बालों के भूरे होने, त्वचा के झड़ने (या) झुर्रियों से डरना नहीं चाहिए।

दीर्घायु के संकेतों में, जैसा कि अमेरिकी पत्रिका प्रिवेंशन (रोकथाम) में मजबूत पैर की मांसपेशियों को शीर्ष पर सूचीबद्ध किया गया है, क्योंकि यह सबसे महत्वपूर्ण और आवश्यक है।

यदि आप दो सप्ताह तक अपने पैर नहीं हिलाते हैं, तो आपके पैरों की ताकत १० साल कम हो जाएगी। यानी आप दस साल बूढ़े हो जाएंगे।

डेनमार्क में कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पाया गया कि वृद्ध और युवा दोनों, निष्क्रियता के दो हफ्तों के दौरान, पैरों की मांसपेशियों की ताकत एक तिहाई कम हो सकती है जो २० से ३० साल की उम्र के बराबर है।

जैसे-जैसे हमारे पैर की मांसपेशियां कमजोर होती जाती हैं, ठीक होने में लंबा समय लगता है, भले ही हम बाद में पुनर्वास और व्यायाम करें। इसलिए, चलने जैसे नियमित व्यायाम बहुत जरूरी हैं।

पूरे शरीर का भार पैरों पर रहता है और शरीर आराम करता है। पैर एक प्रकार के स्तंभ हैं, जो मानव शरीर के पूरे भार का वहन करते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि किसी व्यक्ति की ५०प्रति. हड्डियाँ और ५०प्रति. मांसपेशियाँ दोनों पैरों में ही होती हैं। मानव शरीर के सबसे बड़े और मजबूत जोड़ और हड्डियां भी पैरों में होती हैं।

मजबूत हड्डियां, मजबूत मांसपेशियां और लचीले जोड़ ष्आयरन ट्राएंगलष् का निर्माण करते हैं जो सबसे महत्वपूर्ण भार यानी मानव शरीर को वहन करता है। ७०प्रति. मानव गतिविधियां और कैलोरी बर्निंग इन्हीं दो पैरों से होते हैं।

क्या आप यह जानते हैं? जब इंसान जवान होता है तो उसकी जांघों में इतनी ताकत होती है कि वह ८०० किलो की छोटी कार को उठा सके। पैर शरीर की हरकत का केंद्र है। दोनों पैरों में मिलकर मानव शरीर की ५० प्रति. नसें, ५० प्रति. रक्त वाहिकाएं और ५०प्रति. रक्त उनमें से बहता है। यह सबसे बड़ा संचार नेटवर्क है जो शरीर को जोड़ता है।

केवल जब पैर स्वस्थ होते हैं तब रक्त की कन्वेंशन धारा सुचारू रूप से प्रवाहित होती है, इसलिए जिन लोगों के पैर की मांसपेशियां मजबूत होती हैं, उनका हृदय निश्चित रूप से मजबूत होता है।

जैसे-जैसे व्यक्ति बूढ़ा होता है, मस्तिष्क और पैरों के बीच निर्देशों के संचरण की सटीकता और गति कम होती जाती है, इसके विपरीत जब कोई व्यक्ति युवा होता है तो यह बहुत तेज और सटीक होती है।

इसके अलावा, तथाकथित अस्थि उर्वरक (कैल्शियम) समय बीतने के साथ खो जाएगा, जिससे बुजुर्गों को हड्डियों के फ्रैक्चर का खतरा अधिक हो जाएगा।

बुजुर्गों में अस्थि भंग आसानी से जटिलताओं की एक श्रृंखला को ट्रिगर कर सकता है, विशेष रूप से घातक रोग जैसे मस्तिष्क घनास्त्रता।

क्या आप जानते हैं कि आम तौर पर १५ फीसदी बुजुर्ग मरीजों की जांघ की हड्डी में फ्रैक्चर के एक साल के भीतर मौत हो जाती है ?

पैरों की एक्सरसाइज करने में कभी देर नहीं करनी चाहिए, ६० साल की उम्र के बाद भी यदि आप नियमित व्यायाम करें तो परिणाम चौंकाने वाले होते हैं।

हालांकि समय के साथ हमारे पैर धीरे-धीरे बूढ़े हो जाएंगे, लेकिन हमें पैरों का व्यायाम करना जीवन भर का काम बना लेना चाहिए। केवल पैरों को मजबूत करके ही आगे बढ़ती उम्र को रोका या कम किया जा सकता है। कृपया रोजाना कम से कम ३०-४० मिनट टहलें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आपके पैरों को पर्याप्त व्यायाम मिले और यह सुनिश्चित हो सके कि आपके पैरों की मांसपेशियां स्वस्थ रहें।

मुहांसों से छुटकारा पाने के लिए बेहद कारगर है नींबू

अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू बेहद कारगर है। यह कहना है त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ आकृति मेहरा का। डॉ मेहरा ने नींबू के रस के इस्तेमाल से मुहांसों को दूर करने के लिए कुछ टिप्स दिए हैं।

नींबू का रस : एक कटोरी में नींबू का रस लें। उसमें रूई का फोहा डुबोकर अतिरक्त रस निचोड़ लें और इसे मुहांसों से प्रभावित स्थान पर लगाएं। इसे त्वचा पर 1० मिनट लगा रहने दें। उसके बाद इसे पानी से धो लें और साफ तौलिए से थपथपा कर पोछें। इस प्रक्रिया को हर रोज दिन में दो बार दोहराएं।

नींबू का रस और शहद : एक कटोरी में नींबू का रस और शहद लें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को मुहांसों से प्रभावित स्थान पर लगाएं और पांच मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद पानी से साफ करके तौलिए से थपथपा कर पोंछें। इस उपचार को दिन में एक बार करें।

नींबू और अंडे का सफेद भाग : एक अंडा लें और उसका सफेद हिस्सा अलग कर लें। इसमें दो चम्मच नींबू का रस मिलाएं और अच्छी तरह फेंटें। इस मिश्रण को तीन हिस्सों में बांटें। पहले भाग को त्वचा पर लगाएं और पांच से सात मिनट ऐसे ही रहने दें। उसके बाद दूसरा भाग उसके ऊपर लगाएं। पांच से सात मिनट के बाद त्वचा पर तीसरे हिस्से की परत लगाएं। पांच से सात मिनट के बाद इस हिस्से को गर्म पानी से धो लें और त्वचा को थपथपा कर पोंछें। इस उपचार को हर रोज करें।

नींबू और चना : एक कटोरी में चने का पाउडर लें और उसमें नींबू का रस मिलाएं। इन्हें अच्छी तरह मिला कर पेस्ट बना लें। इसे मुहांसों से प्रभावित स्थान पर लगा कर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। उसके बाद इस हिस्से को गुनगुने पानी से धो लें और त्वचा को साफ तौलिए से पोंछ लें। अगर इसके बाद त्वचा में रूखापन महसूस हो तो मॉयश्चराइजर लगाएं। इस उपचार को हर रोज एक बार करें।

नींबू और दही : एक कटोरी में नींबू का रस और दही लें और अच्छी तरह मिला लें। इस पेस्ट को प्रभावित स्थान पर लगाएं। कुछ मिनट ऐसे ही रहने दें और उसके बाद पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को हर रोज दोहराएं।

उत्तराखण्ड शासन

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में

उत्तराखण्ड

विकास के नये अध्याय की ओर अग्रसर

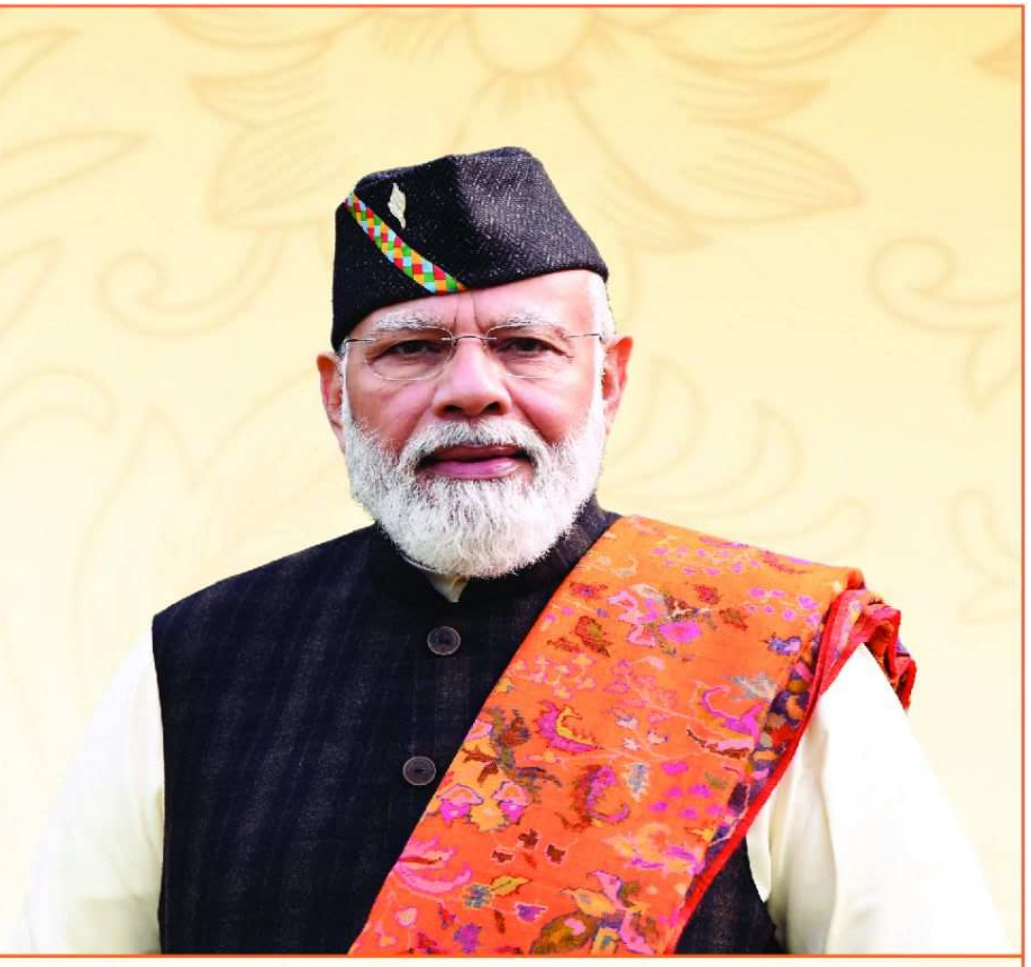

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास।
आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

"प्रधानमत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखण्ड समय के साथ परिवर्तनकारी विकास का साक्षी बन रहा है। अत्याधुनिक रोपवे परियोजनाओं के साथ-साथ रेलवे, सड़क और हवाई संपर्क की दिशा में प्रगति हो रही है। इससे उत्तराखण्ड में यात्रा और पर्यटन के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहे हैं। ये बदलाव न केवल पर्यावरण अनुकूल हैं, बल्कि कुशल परिवहन भी सुनिश्चित करते हैं। ये राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देते हैं। आध्यात्मिक, रोमांचक और सांस्कृतिक पर्यटन के प्रभाव के चलते यह दुनिया भर के आगंतुकों के लिए एक पंसदीदा गंतव्य बन रहा है। हम सतत विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित

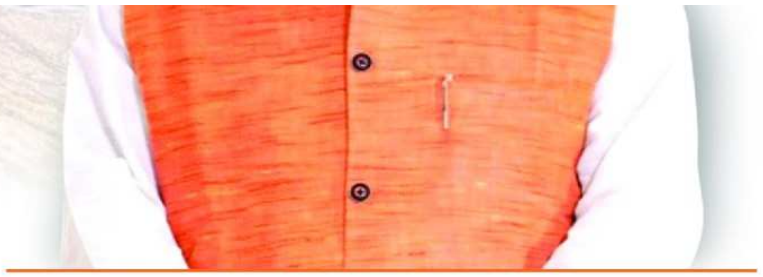

गतव्य बन रहा है। हम सतत विकास के लिए दृढ़ संकल्पित है। अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एक समृद्ध कल की ओर देख रहे हैं।"

जय हिन्द-जय उत्तराखण्ड

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

विकसित भारत, विकसित उत्तराखण्ड

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर समिट - 2023 के दौरान राज्य सरकार के साथ कुल 3.5 लाख करोड़ रुपये के हुए निवेश समझौते। जिसमें 81 हजार करोड़ के समझौते की ग्राउण्डिंग।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में श्री केदारनाथ धाम का हुआ भव्य एवं दिव्य पुनर्निर्माण कार्य। बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत विकास कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदि कैलाश और जागेश्वर धाम के दर्शन के बाद मानसखंड यात्रा को मिली नई पहचान।
- चार धामों की कनेक्टिविटी के लिए ऑल वेदर रोड का हुआ निर्माण। ऋषिकेश कर्णप्रयाग रेललाइन का निर्माण कार्य तथा टनकपुर-बागेश्वर रेललाइन सर्वे का कार्य गतिमान।
- नैनीताल जिले की बहुद्देशीय जमरानी बांध परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम की लखवाड़ परियोजना को मिली मंजूरी।
- उत्तराखण्ड को दो वंदे भारत ट्रेन की मिली सौगात। देहरादून से दिल्ली एवं देहरादून से लखनऊ का सफ़र हुआ आसान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण कार्य तेजी से जारी, 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- पर्वतीय क्षेत्रों में रोपवे नेटवर्क निर्माण के लिये पर्वत माला परियोजना को मिली मंजूरी। केदारनाथ, हेमकुंड साहिब एवं पूर्णागिरी मंदिर तक रोपवे के निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास।
- उधमसिंहनगर के किच्छा क्षेत्र में एम्स के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य गतिमान। वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत उत्तराखण्ड के सीमांत गावों का हो रहा चहुँमुखी विकास।
- जौलीग्रांट एयरपोर्ट एवं पंतनगर एयरपोर्ट को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के रूप में विकसित करने हेतु कार्य गतिमान।
- प्रधानमंत्री ने दिया वेड - इन - उत्तराखण्ड का मंत्र। जिसके तहत राज्य सरकार नए वेडिंग डेस्टीनेशन का कर रही निर्माण।

नीति आयोग भारत सरकार की ओर से एसडीजी 2023-24 की रिपोर्ट जारी की गई है।

रिपोर्ट में उत्तराखण्ड ने सतत विकास लक्ष्यों की कसौटी पर खरा उतरते हुए पूरे देश में पहला स्थान हासिल किया है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।

www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

आर्कटिक में न बची बर्फ तो क्या होगा

चंद्रभूषण

पृथ्वी के पर्यावरण को लेकर सबसे बड़े प्रयोग की रिपोर्ट सितंबर 2019 से अक्टूबर 2020 तक कुल 389 दिन आर्कटिक महासागर में उत्तरी ध्रुव के इर्दगिर्द रहकर तैयार की गई इस रिपोर्ट का आकार इतना बड़ा है कि इसके सारे निष्कर्ष सामने आने में कई साल लगेंगे। लेकिन इसे संपन्न करने वाली 300 से ज्यादा लोगों की टीम के नेता, जर्मन वैज्ञानिक मार्कस रेक्स ने बीते 15 जून को बर्लिन में स्लाइड शो और विडियो के साथ अपने प्रयोग का एक मोटा खाका पेश कर दिया है। उन्होंने बताया कि आर्कटिक क्षेत्र का पर्यावरण संकट बेकाबू हो गया है।

छोटा हुआ आर्कटिक सर्कल

आर्कटिक महासागर के अधिकतम जमाव का दायरा बीती एक सदी में और उसकी बर्फ की मोटाई पिछले तीन दशकों में ही आधी हो जाने का सबूत देते हुए डॉ. रेक्स ने यह भी कहा कि सन 2050 तक अगर धरती पर कार्बन उत्सर्जन को शून्य तक न लाया जा सका तो अगली पीढ़ी को बिना बर्फ का आर्कटिक देखना पड़ेगा। ध्रुवीय इलाकों से कोई वास्ता न रखने वाले हम जैसे लोगों के लिए इस बात का क्या मतलब है, इस पर आगे चर्चा होगी। फिलहाल साढ़े 16 करोड़ डॉलर लगाकर चलाई गई बीस देशों के वैज्ञानिकों की इस मुहिम पर वापस लौटें तो इसमें पोलरस्टर्न नाम के एक आइसब्रेकर जहाज का इस्तेमाल किया गया, जिसे मदद पहुंचाने के लिए बीच-बीच में कुछ रूसी जहाज आते-जाते रहे।

इस काम के लिए शुरू में जो जगह सोची गई थी, वहां बर्फ की तह बहुत पतली मिली। फिर जहाज को और आगे ले जाकर मोटी बर्फ में फंसाया गया ताकि जहाज के 40 किलोमीटर दायरे में स्थिर सतह मिल सके, जहां से हवा, बर्फ और नीचे मौजूद पानी में दिन-ब-दिन आ रहे बदलावों का रिकॉर्ड रखा जा सके। ध्यान रहे, इस अध्ययन का उद्देश्य धरती के एक कम समझे गए क्षेत्र की समझ बढ़ाने तक ही सीमित नहीं था। अब तक की जानकारी के मुताबिक पृथ्वी समूची सृष्टि का अकेला जीवधारी पिंड है। अगर हम इसे एक जिंदा चीज की तरह देखें तो आर्कटिक क्षेत्र को इसका सिर या दिमाग माना जा सकता है। दुर्भाग्यवश, पृथ्वी का पर्यावरण जिस एक इलाके में सबसे ज्यादा बिगड़ा है, वह आर्कटिक ही है।

भौगोलिक रूप से 66 डिग्री 33 मिनट की अक्षांश रेखा आर्कटिक सर्कल कहलाती है, जबकि मौसमविज्ञानी इसकी परिभाषा उस समतापी रेखा के रूप में करते हैं, जहां जुलाई में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं जाता। यह रेखा धरती की ट्री लाइन भी है, यानी इसके उत्तर में पेड़ नहीं पाए जाते। ग्लोबल वॉर्मिंग ने इस परिभाषा का इस मायने में कबाड़ा कर दिया है कि पिछले तीन दशकों में 10 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान वाली रेखा प्रति दशक 56 किलोमीटर की रफ्तार से उत्तर की ओर खिसक रही है। यानी पर्यावरण में इंसानी दखल आर्कटिक सर्कल को दिनोंदिन छोटा करता जा रहा है।

भू-राजनीति के नजरिये से देखें तो आर्कटिक महासागर और इसे घेरे हुए अनेक समुद्रों (नॉर्वेजियन, बैरेंट्स, कारा, लैप्तेव, ईस्ट साइबेरियन, चुक्की, ब्यूफोर्ट, बैफिन खाड़ी, डेविस खाड़ी, डेनमार्क खाड़ी और ग्रीनलैंड सागर) के अलावा स्वीडन, नॉर्वे, फिनलैंड, रूस, अमेरिका (अलास्का), कनाडा, ग्रीनलैंड और आइसलैंड की मुख्यभूमि का बड़ा क्षेत्र तथा इनके बहुतेरे द्वीप आर्कटिक सर्कल में आते हैं।

आर्कटिक शब्द का भाषाई उद्गम यूनानी शब्द आर्कटोस (भालू) से है। सिकंदर के समकालीन यूनानी खोजी पाइथियास ने अपनी उत्तर की साहसिक यात्रा में दही जैसे समुद्र, आधी रात के सूरज और रहस्यमय रोशनियों (आरोरा बोरियालिस) का जिक्र किया है। इन वर्णनों से यह तो साफ है कि मसालिया के पाइथियास की पहुंच 325 साल ईसा पूर्व में आर्कटिक सर्कल तक हो चुकी थी। लेकिन भालू से इस इलाके के रिश्ते को लेकर दो बातें चलन में हैं। एक तो यह कि जिंदा चीज के नाम पर यहां केवल विशाल सफेद भालुओं के दर्शन हो पाते हैं, जो संसार में कहीं और नहीं पाए जाते। दूसरी शास्त्रीय थिअरी यह है कि उर्सा मेजर (सप्तर्षि) और उर्सा माइनर तारामंडल आर्कटिक सर्कल में बिल्कुल सिर पर दिखाई पड़ते हैं। ग्रीक में आर्कटोस, लैटिन में उर्सा और संस्कृत में ऋक्ष या ऋषि, तीनों का मतलब रीछ या भालू ही है।

आर्कटिक को धरती के दिमाग की तरह देखने की सूझ केवल ग्लोब में इसके ऊपर दिखने के कारण नहीं बनती। समुद्र और हवाओं की जिन तरंग गतियों से इस ग्रह के हर इलाके में बारिश का चक्र संचालित होता है, उनका स्वरूप तय करने में आर्कटिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। समस्या यह है कि ग्लोबल वॉर्मिंग का जितना असर बाकी धरती पर दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा इसकी मार आर्कटिक क्षेत्र पर पड़ रही है। बाकी दुनिया का औसत तापमान अभी सन 1900 से 1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया जा रहा है लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में यह बढ़त 2 डिग्री की है। यहां बर्फ का दायरा घटने का मतलब है, सूरज की गर्मी को वापस लौटा देने वाले एक विशाल आईने का काला पड़ना और ग्लोबल वॉर्मिंग की रफ्तार अचानक बढ़ जाना। इसके अलावा एक दुष्चक्र बर्फ से खाली हुए समुद्रों के गर्मी सोख लेने के कारण अगले जाड़े में बर्फ और कम जमने का भी है।

ध्रुवीय भालू खत्म होंगे

इस प्रयोग के दौरान दो किलोमीटर ऊपर हवा से लेकर पूरी बर्फ पार करके नीचे के पानी तक 100 पैरामीटर्स में हर क्षण होने वाले बदलावों को पूरे साल रिकॉर्ड किया गया। साथ में बर्फ के 1000 नमूने भी लिए गए, जिनपर काम जारी है। पानी में सबसे छोटे जंतु जूप्लैंकटन और सबसे छोटी वनस्पति फाइटो प्लैंकटन, दोनों का अध्ययन किया गया, जहां से समुद्री फूड चेन शुरू होती है। यह श्रृंखला झींगों और छोटी मछलियों से होती हुई सील-वॉलरस और आर्कटिक फूड चेन में सबसे ऊपर ध्रुवीय भालुओं तक जाती है। मार्कस रेक्स और उनकी टीम का अनुमान है कि यह खाद्य श्रृंखला 2035 के बाद कभी भी टूट सकती है। इसे ध्रुवीय भालुओं का संहार कहना होगा, जिनसे पृथ्वी के इस विशाल क्षेत्र की पहचान जुड़ी है। हमारे मौसमों पर इसका प्रभाव अभी ही दिखने लगा है। इस प्रयोग से हासिल डेटा के बल पर कंप्यूटर अल्गॉरिथ्म मॉनसून के भविष्य को लेकर ज्यादा सटीक अनुमान प्रस्तुत कर सकेंगे।

बरसात में अमीबियासिस से करें बचाव

बारिश के मौसममें बीमारियों का फैलना आम बात है, क्योंकि यह मौसम संक्रमण के लिए अनुकूल है। इस मौसम की कई बीमारियों के बारे में आप जानते होंगे, लेकिन अमीबियासिस के बारे में कम ही लोग जानते हैं जिसे अमरबारुग्णता भी कहा जाता है। यह बारिश में आसानी से फैलने वाली बीमारी है। इससे बचने के लिए आपको यह जानना बेहद जरूरी है-

परजीवी जीवाणु से होने वाला अमीबियासिस, प्रमुख रूप से एक जलजनित रोग है, जो संक्रमित पानी पीने एवं दूषित व कीटाणु युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से होता है। यह उन जगहों पर ज्यादा होती है जहां ठीक से साफसफाई न हो या भरपूर भोजन पानी न मिलता हो। भोजन निर्माण एवं संग्रहण से संबंधित समस्त तत्व शुद्धता तथा कीट से बचाव पर केंद्रित होते हैं।

आसानी से फैलने वाले इस संक्रमण में प्रोटोजोन, एंट-अमीबा हिस्टोलाइटिका, बड़ी आंत को अपना घर बनाता है और उसे संक्रमित कर आपको बीमार बना देता है। यह एक कोशीय जीवाणु बड़ी आंत के अतिरिक्त लीवर, फेफड़ों, हृदय, मस्तिष्क, वृक्क, अंडकोष, अंडाशय, त्वचा आदि तक में पाया जा सकता है।

पतले दस्त, उल्टी होना, जी मचलाना, पेट फूलना, परिवर्तित पाखाने की आदत, भोजन पश्चात दस्त, बुखार, पेट में रुक-रुक कर दर्द, कब्ज या बारी-बारी से दस्त, थकान, वजन का एकदम कम होना, भूख न लगना, अपच वायु-विकार इसके प्रमुख लक्षणों में शामिल हैं।

पाठ्यक्रमों में उत्तराखण्ड आंदोलन को प्राथमिकता देने पर की सरकार की प्रशंसा

देहरादून (सं)। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने उत्तराखण्ड आंदोलन को प्राथमिकता देते हुए पाठयक्रमों में शामिल करने के सरकार के फैसले की प्रशंसा की। आज उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश सरकार के उस निर्णय की प्रशंसा की है जिसमें उन्होंने उत्तराखंड आंदोलन को प्राथमिकता देते हुए पाठ्यक्रमों में लागू कराया। स्मरण रहे कि राज्य आंदोलनकारी काफी समय से यहां मांग कर रहे थे कि आंदोलन राज्य प्राप्ति को पाठ्य क्रमो में स्थान दे। प्रभात डंडरियाल और सुरेश कुमार ने उम्मीद जताई कि पाठ्यक्रमों में आंदोलन को इसी सत्र में सरकार लागू कराये। उन्होंने सरकार से यह भी मांग की कि वह राज्य प्राप्ति आंदोलनकारियों का 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण के बिल को महामहिम के हस्ताक्षर करा कर राज्य आंदोलनकारीयो में एक तोहफा भी दें।

शराब के साथ गिरफ्तार

देहरादून। बसंत विहार थाना पुलिस ने टी स्टेट खंडहर के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम राजेश पुत्र मदन निवासी हरबंसवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मारपीट करने पर एक ही परिवार के चार लोगों पर मुकदमा दर्ज

देहरादून। आजाद विहार बंजारावाला निवासी हेमराज ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले अनिल धीमान उसकी पत्नी शकुन्तला, पुत्र किशन व पुत्र स्वाति उसके घर में घुस आये और उसके व उसके परिवार वालों के साथ गाली गलौच करने लगे। उन्होंने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो वह उनको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पहले बेटियों के प्रति नजरिया बदलें

लक्ष्मीकांता चावला

नवरात्र यानी देवी मां की आराधना का पर्व हर साल पूरे देश में श्रद्धा व उत्साह से मनाया जाता है। प्रतिदिन देवी मां की पूजा-अर्चना की जाती है। मां प्रथम गुरु है, मां प्रथम आचार्य है और बेटी को लक्ष्मी, दुर्गा के रूप में ही स्वीकार किया जाता है। यह हमारे देश की संस्कृति का सुखद, गौरवशाली पक्ष है, पर आज जिन विकृतियों का शिकार सामाजिक जीवन हो गया है वह अत्यंत ही पीड़ादायक है। दुनियाभर के लोग भारत में पर्यटन के लिए आते हैं। वे यह भी जानते हैं कि भारत में बेटियों का विशेष सम्मान है, पर जब यह समाचार मिलता है कि विदेशी महिला के साथ दुराचार या बलात्कार हो गया तो यह एक व्यक्ति का अपराध नहीं रहता, पूरे देश को बदनाम करने वाला राष्ट्रीय शर्म का विषय हो जाता है।

कोई दिन ऐसा नहीं होता जब पूरे देश में किसी न किसी भाग में बालिग अथवा नाबालिग के साथ दुराचार का समाचार न मिले। अब तो बलात्कारी इतने क्रूर या बलवान हो गए कि वे इज्जत लूटते हैं, गला भी घोंटते हैं। समाचार मिलता है कि एक युवती का अपहरण हुआ और कार में ही उसके साथ गैंगरेप के बाद आधी मरी, पूरी लुटी युवती को सड़क पर फेंक गए।

यहां मुझे कहना यही है कि अपराधियों को देश के कानून के मुताबिक दंड मिले। कुछ दिन पुलिस दौड़ेगी, अपराधी पकड़े जाएंगे, कानूनी प्रक्रिया और बहुत से केसों में सिफारिशी प्रक्रिया भी चलेगी और जेल की सलाखों के पीछे अपराधी पहुंच जाएंगे। सवाल यह है कि किसी घटना विशेष के बाद सख्त कानून बनाने की घोषणा, दुख प्रकट करने का वक्तव्य या सदा चिंता करने वाले नेताओं की चिंताओं से भरे समाचार कब तक सुनते रहेंगे। हर प्रबुद्ध नागरिक के समक्ष प्रश्न यह है कि आखिर देश का वातावरण इतना वासनामय कैसे हो गया कि प्रतिवर्ष हजारों बालिकाएं और युवतियां बलात्कार जैसे घिनौने अपराध का शिकार हो रही हैं। क्या पुरुष मानसिकता विकृत हो गई है?

जहां भारत की एक बेटी का अपहरण करने वाले को वंश सहित नष्ट करना ही मर्यादा पुरुषोत्तम का पौरुष माना जाता है, वहां आखिर हमारी वर्तमान पीढ़ी क्यों भटक गई? दोष इस देश को चलाने वालों का भी है। कौन नहीं जानता कि अधिकतर अपराध शराब के नशे में होश गंवाकर ही किए जाते हैं, पर अधिकतर उत्सव, खुशी के मौके भी शराब के साथ ही मनाए जाते हैं। सरकारें चाहती हैं कि लोग शराब पिएं। सरकारी खजाना भरने की चिंता रहती है, पर इससे समाज की सेहत कितनी विकृत होगी अथवा सड़क दुर्घटनाओं में कितने लोग मारे जाएंगे, इसकी परवाह सत्ता के शिखरों पर आसीन और दुर्घटनाओं के बाद मगरमच्छीय आंसू बहाने वालों को नहीं। दुखद समाचार यह भी सुनने को मिलता है कि एक वृद्धा का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया, हत्या कर दी गई। इस सारे लज्जाजनक और दुखद कांड में शराब का दोष ज्यादा है और शराब पिलाने वालों का तो है ही। सरकार की नाक तले विज्ञापनों द्वारा समाज का वातावरण इतना वासनामय और विलासितापूर्ण हो चुका है कि अबोध मन और छोटी उम्र के लड़के-लड़कियां जब वे सब देखते हैं तो उनकी भी सुप्त इच्छाएं जागती हैं। प्रत्यक्ष जीवन में जो वर्जित है, अपराध है वह सब खुले रूप से ये चैनलों और समाचार पत्रों के माध्यम से दिखाया जाता है। शरीर का भद्दा प्रदर्शन करके नोट कमाने वाले तो सुरक्षित घरों में पहुंच जाते हैं, पर यह सब देखकर भटका हुआ वर्ग अपनी अनियंत्रित वासनाओं को पूरा करने के लिए किसी को भी अपनी हवस का शिकार बना लेते हैं। देश के शासक और मीडिया कंपनियों के मालिक इतने स्वार्थी हो गए कि वे युवा पीढ़ी के अपराध की ओर बढ़ते कदमों को देखते हुए भी वासना फैलाने के इस धंधे को बंद करने को तैयार नहीं। शिक्षा के मंदिरों में नैतिक शिक्षा देने का कोई प्रयास नहीं। धर्म निरपेक्षता के ठेकेदार गिरते हुए सामाजिक स्तर को नहीं देखते, लेकिन नैतिक शिक्षा में उन्हें सांप्रदायिकता की बू आने लगती है। अगर स्कूलों कालेजों में शिक्षा के साथ सामाजिक नैतिकता को नहीं जोड़ा गया तो वर्तमान पीढ़ी कहां तक पहुंच जाएगी, इसका अनुमान भी भयावह है।

एएसआई के पार्थिव शरीर को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी

संवाददाता

देहरादून। सडक दुघर्टना में हुई एएसआई कांता थापा के पार्थिव शरीर को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गयी।

गत 20 जुलाई को नेहरुकोलोनी क्षेत्र में अजबपुर फ्लाईओवर पर हुई सड़क दुर्घटना में उत्तरकाशी बड़कोट थाने में नियुक्त महिला एएसआई कांता थापा का आकस्मिक निधन हो गया था, दिवंगत श्रीमती कांता थापा के आकस्मिक निधन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून अजय सिंह द्वारा गहरा दुख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। दिवंगत श्रीमती कांता थापा के पार्थिव शरीर को आज पुलिस लाइन देहरादून लाया गया, जहाँ उनके पार्थिव शरीर को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी गई। इस दौरान उच्चाधिकारियों द्वारा दिवंगत श्रीमती कांता थापा के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी साथ ही दुख की इस घड़ी में शोक संतृप्त परिवार को धैर्य व शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की।

धारदार हथियार से हमला करने पर दो के खिलाफमुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। धारदार हथियार से हमला कर घायल करने पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सरस्वती विहार तरला अधोईवाला निवासी दीव्यम ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह चावला चौक के पास खडा था तभी वहां पर सनी व मोन्टू आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने मारपीट करते हुए उसके सिर पर किसी धारदार हथियार से हमला कर उसको घायल कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

राकेश नेगी बने कांग्रेस पछवादून के जिला अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने डीएवी पीजी कालेज के पूर्व महासचिव राकेश नेगी को पछवादून का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं डीएवी (पीजी) कॉलेज देहरादून के पूर्व महासचिव राकेश नेगी को जिला कांग्रेस कमेटी पछुवादून (देहरादून) का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उपरोक्त जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी ने बताया कि श्री राकेश नेगी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता है जो पूर्व में डीएवी (पीजी) कॉलेज देहरादून के महासचिव, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, जिला योजना समिति के सदस्य तथा प्रदेश कांग्रेस पंचायती राज प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि राकेश नेगी युवा कांग्रेस के चुनावों मे बिहार प्रदेश के पीआरओ के रूप में कार्य कर चुके हैं तथा लोकसभा, विधानसभा एवं पंचायत चुनावों में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करते आ रहे हैं। मथुरादत्त जोशी ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा, संगठनात्मक रूचि व एवं लम्बे राजनीतिक अनुभव को देखते हुए उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी पछुवादून का जिलाध्यक्ष मनोनीत करते हुए उनसे अपेक्षा की गई है कि वे अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए मल्लिकार्जुन खडगे एवं राहुल गांधी की भावना तथा कांग्रेस की गौरवशाली परम्पराओं के अनुरूप पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने में सहयोग करेंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन एवं प्रशासन मथुरादत्त जोशी सहित अनेक कांग्रेसजनों ने राकेश नेगी को जिला कांग्रेस कमेटी पछुवादून का अध्यक्ष नियुक्त होने पर बधाई दी है।

केदारनाथ मार्ग पर भूस्खलन की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मौसम विभाग द्वारा बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ने के साथ आसमानी बिजली से भी भारी नुकसान की आशंका जताई गई है। सूबे के दोनों ही मंडलों में आगामी 48 घंटे में भारी बारिश होने की संभावना है जिसके मद्देनजर शासन-प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

अग्निवीरों के समायोजन को लेकर गंभीरता से कार्य कर रही है सरकारः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अग्निवीरों के समायोजन को लेकर गंभीरता से सरकार कार्य कर रही है।

आज यहां उत्तराखण्ड सरकार अग्निवीरों के सुरक्षित भविष्य के लिए उन्हें नियोजित करने का ठोस कार्यक्रम तैयार करने जा रही है। इसमें सेना में अग्निवीर का चार साल पूरा करने वाले जवानों को उत्तराखण्ड पुलिस व राज्य के अन्य सरकारी विभागों में भर्ती होने के लिए कोटा देने का प्रस्ताव शामिल है। इसके अलावा राज्य में कौशल प्रशिक्षण योजना भी लागू किए जाने की तैयारी है जिसके जरिए रिटायर्ड अग्निवीरों को कई क्षेत्रों में रोजगार सम्बंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस सम्बंध में जल्द से जल्द प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। आवश्यकता होने पर आगामी विधानसभा सत्र मे प्रस्ताव भी लाया जा सकता है। चार साल सेना की नौकरी के बाद वापस आने वाले अग्निवीर अपने सुरक्षित भविष्य को लेकर आशंकित न रहें इसके लिए

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ठोस योजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। धामी ने कहा है कि उत्तराखण्ड सैनिक बाहुल्य प्रदेश है। यहां के युवा बड़े पैमाने पर भारतीय सेना में भर्ती होते हैं। लिहाजा, सेना में चार साल की सेवा पूरी करने के बाद रिटायर्ड जवानों को नियोजित करने में राज्य सरकार अपनी तरफ से कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। सरकार चाहती है कि सेना में 4 साल पूरे होने के बाद भी अग्निवीरों को राज्य में नौकरी व रोजगार के भरपूर अवसर मिलें। रिटायर्ड अग्निवीरों का राज्य की सेवा में भरपूर उपयोग किया जाएगा ताकि उनके नियोजित होने के साथ ही वे भी राज्य के विकास में सहभागी बन सकें। सैनिक कल्याण विभाग इस सम्बंध में प्रस्ताव तैयार करने में जुट गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कैनाल रोड पर आयोजित कार्यक्रम के उपरांत मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में अग्निवीरों के समायोजन को लेकर कहा कि इस दिशा में हमारी सरकार गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक सैनिक परिवार में पैदा हुआ हूँ। जब देश में यह योजना आई थी, उस समय भी हमने राज्य के बहुत सारे सैनिक अफसरों, सेना के लोगों के साथ, जवानों के साथ, जो सेना में अपना पूरा जीवन लगाकर आए हैं, सबके साथ हमने बैठक की थी और मैंने जून 2022 को तभी कहा था कि पुलिस समेत जितने भी हमारे राज्य के अंदर काम करने वाले विभाग हैं, जिन-,जिन विभागों में देश सेवा के बाद जो अग्निवीर आएंगे हम उनको विभागों में समायोजित करेंगे, उनको प्राथमिकता देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर अग्निवीरों के लिए आरक्षण का प्रावधान करना होगा तो मंत्रिमंडल में निर्णय करके हम आरक्षण का प्रावधान करेंगे और अगर कोई एक्ट वगैरह बनाना होगा तो वह भी हम विधानसभा में जरूर लेकर आएंगे।

डॉ. अनिल जोशी ने ग्रामीणों के साथ किया वृक्षा रोपण

संवाददाता

देहरादून। पर्यावरण विद् पदम भूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी द्वारा बैक ऑफ बडौदा के अधिकारियों व ग्रामीणों के साथ पौधा रोपण किया।

आज यहां ग्राम शुक्लापुर (हेस्को गांव) में पर्यावरण विद् पदम भूषण डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी द्वारा बैंक ऑफ बड़ौदा के अधिकारियों और ग्राम वासियों के साथ मिलकर सैकड़ो वृक्ष लगाए गए, और ग्राम वासियों को सैकड़ो फलदार वृक्ष वितरण किए गए। ग्राम वासियों से साथ-साथ यह भी अपील की

की पेड़ लगाने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी अपने पुत्र की तरह करें तभी पेड़ सुरक्षित रहेंगे।

(एक पेड़ धरती मां के नाम) इस महत्वपूर्ण कल्याणकारी कार्य में डॉक्टर अनिल प्रकाश जोशी द्वारा क्षेत्र के समाजसेवी अरुण भट्ट, पशु प्रेमी अनीता मेहरा, अनीता, रानी, गीता ढोंडियाल, ज्योति चमोली आदि सम्मानित मातृशक्ति उपस्थिति रही।

वैष्णों देवी गुफा योग मंदिर में हर्षोल्लास से मनाई गई गुरु पूर्णिमा महोत्सव

संवाददाता

देहरादून। माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में गुरू पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी।

आज यहां गुरु पूर्णिमा माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव देहरादून माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव में गुरु पूर्णिमा महोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई, हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाकर, नए वस्त्र आभूषण धारण कराए गए। विधि विधान से पूजा अर्चना कर संगीतमय सुंदरकाण्ड पाठ, भजन कीर्तन किए गए।

अपने गुरु पुर्णिमा सन्देश में मंदिर के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी ने कहा गुरु कोई व्यक्ति नहीं गुरु एक सत्ता है जो मनुष्य को जीवन की राह प्रदान करती है। उन्होंने जन्म देने वाले माता पिता के सम्मान का आह्वान करते हुए अपने घर को ही आश्रम बनाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा हम अपने भाग्य के निर्माता स्वयं हैं अपने वर्तमान को सुधारने का आहवान करते हुए कहा आपका भविष्य उज्जवल है अतीत की गलतियों से सबक लिया जा सकता है। सायंकाल में श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जायेगा, भगवान श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर के विशेष श्रृंगार आरती के साथ साथ आचार्य डा. बिपिन जोशी जोशी द्वारा जीवन की राह प्रवचन दिए जायेंगे, साथ ही भंडारे का भी अस्योजन होगा।

आज के कार्यक्रम में डा. मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, गीता जोशी, मधुलिका शर्मा,महावीर पंत, पवन साह, पण्डित गणेश बिजलवान, पण्डित अरविंद बडोनी, योग शिक्षक चंद्रशेखर, राघव शर्मा, ऋषिपाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

एक नजर

मां के नाम पौधारोपण अभियान में शामिल होना किसी सौभाग्य से कम नहीं : धामी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अपनी माताजी के साथ पौधारोपण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में व्यक्ति की सबसे पहली गुरू मां ही हैं। ऐसे में मां के नाम पौधारोपण अभियान में शामिल होना किसी सौभाग्य से कम नहीं है। कैनाल रोड स्थित गंगोत्री विहार में रिस्पना नदी के किनारे खाली भूमि पर मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण के तत्वावधान में रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी माताजी श्रीमती विशना देवी के नाम से पौधारोपण किया। इस अवसर पर उनकी माताजी भी मौजूद रहीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' लगाने की देशवासियों से अपील की थी। राज्य में इसे अभियान के रूप में लिया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया है कि इस मानसून सीजन में एक पेड़ माँ के नाम जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि सभी के जीवन में माँ पहली गुरु होती हैं। गुरु पूर्णिमा की भी उन्होंने प्रदेशवासियों को शुभकामना दी।

लोन के नाम पर ठगे 37 हजार रुपये, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। लोन के नाम पर प्राईवेट बैंक द्वारा 37 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमनाथ नगर सहस्त्रधारा रोड निवासी श्रीमती सुमन ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने परचून की दुकान खोलेने हेतु मुद्रा लोन हेतु कनक यूके निधि लिमिटेड बैंक मे आवेदन किया था व मेनेजर ने बताया की लोन तभी सविकृत होना जब वह बैक मे अकाउंट खोलगे, जीएसटी व आईटीआर जमा करोगे। इस कार्य हेतु बैंक ने कहा की वह लोन करवा देगे वह 7300 रूपये आईटीआर व जीएसटी के मे जमा कर दो 7300 रूपये जमा करने पर कोई रसीद नही दी। उसने बैकं कहे अनुसार 10 हजार रूपये बैंक अकांउट खोलकर जमा करा दिये जिनकी एंट्री बैंक पासबुक मे है। अक्टुबर 2023 से वह परेशान हो रही है बैंक के चक्कर काट रही है इस प्रकार उसका 7300 रूपया व आने जाने का लगातार 20 हजार रूपये खर्चा हो गया है कुल 37300 हजार रूपये भी नही दे रहे है कई आश्वासन के बाद भी ऋण सविकृत नही किया है न ही पैसा वापस कर रहे है परेशां कर रहे है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री विद्यार्थी कल्याण योजना का शुभारम्भ

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री विद्यार्थी कल्याण योजना का शुभारम्भ किया।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में मुख्यमंत्री विद्यार्थी कल्याण योजना-2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मोबाइल लर्निंग स्कूल की सुविधा के लिए दो बसों का शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री द्वारा उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को जनपद हरिद्वार और जनपद उधमसिंह नगर के लिए मोबाइल लर्निंग स्कूल के लिए एक-एक बस का फ्लैग ऑफ किया गया। इससे पहले देहरादून और नैनीताल जनपदों के लिए इस पहल की शुरूआत की गई थी, जिसके तहत 314 बच्चे प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य

सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के 75 बच्चों का प्रतिवर्ष चयन कर रूद्रपुर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में उच्च तकनीकि शिक्षा प्रदान की जायेगी। इन बच्चों को मेकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग जैसे विषय में 03 वर्ष का तकनीकि प्रशिक्षण प्रदान कर उनके रोजगार के लिए प्लेसमेंट की व्यवस्था भी की जायेगी। इन बच्चों के प्रशिक्षण का खर्चा सरकार द्वारा वहन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को इस तरह के प्रशिक्षण प्रदान करने से उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में आगे आने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर विधायक श्रीमती सविता कपूर, अध्यक्ष उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड सुश्री दीप्ति सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल में ईलाज करा रहा व्यक्ति हुआ गायब

संवाददाता

देहरादून। अस्पताल में ईलाज करा रहे व्यक्ति के गायब हो जाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्दन नगर निवासी सुनीता राणा ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति गजपाल राणा को सीएमआई अस्पताल में ईलाज चल रहा था। आज जब वह वहां पर पहुंची तो उसके पति अपने बैड पर नहीं थे तथा उसने उनको काफी तलाश किया लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घर से नगदी व जेवरात लूटने पर एक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला को धक्का देकर घर से जेवरात व दस हजार रूपये लूटने के मामले में पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कौलागढ निवासी अंकित कौशल ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात 8 बजे उसके घर पर सोहिल खान पुत्र सोनू खान पता कौलागढ कुलदीप टैन्ट हाउस की बगल वाली गली में रहता है जोकि उसके घर से 2 चांदी की पाजेब तथा 10 हजार रूपये नगद लूटपाट करके भाग है तथा उसकी धर्म पत्नी भावना कौशल ने पकडने की कोशिक करी व उसके ढाई साल के बेटे को धक्का देकर भाग गया। वह घर पर अकेली थी जिसमें उसके बेटे के सर गुम चोट लगी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने लूटी महिला की चेन

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने महिला के गले से चेन लूट ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री विहार निवासी सेवानिवृत्त सूबेदार मेजर बादर सिह रावत ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात को वह और उसकी धर्मपत्नी श्रीमती जमुना देवी रावत जो कि लैंड मार्क बैडिग पोइन्ट मे बीएमएस भण्डारी के बेटे की शादी समारोह मे सम्मलित हुये थे।

इसके पश्चात लगभग पौने ग्यारह बजे उन्होंने वैडिग पॉइन्ट से घर के लिये प्रस्थान किया तथा वह अपना स्कूटर लेने के लिये चले गया तथा उसकी मिसेज वैडिग पोइन्ट के मेन गेट से आगे दाहिने तरफ मेन रोड पर गाडी पार्किग वाले दूसरे गेट की तरफ जा रही थी कि इतने समय मे सामने से तेज स्पीड मे

बाइक वाले ने उसकी मिसेज के गले से लगभग तीन तोले से थोडा कम मोटी चेन सोने की झपटकर बाइक से तेजी सैड ज्यूडस स्कूल की तरफ निकल पडा तथा उस बाइक के हैड लाइट उसकी मिसेज के आंखो पर पडने के कारण तथा सोने की चेन झपटने पर घबरा गयी तथा कुछ समझ नही पायी कि क्या करना है इसके बाद 5 मीनट बाद वह अपनी मिसेज के पास पहुँचा तब उसको जानकारी हुई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दो पर बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो लोगों पर बिजली चोरी कर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चतर सिंह राणा अवर अभियंता केवी उपसंस्थान ढाकपटटी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने राजपुर रोड निवासी एवीएस देव व बगरीयाल गांव निवासी शिवराज सिंह के घर पर छापा मारा तो वहां पर मीटर टर्रमिनल से बिजली चोरी करते हुए पकड लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।